H – 204

समय : २ घंटे **IJ3AEG** Hindi III पूर्णांक : ५०

प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए - (१४)

अ. "क्या जवाब दूँ बाबूजी जब कुर्सी मेज बिकती है तब दुकानदार कुर्सी मेज से नहीं पूछता सिर्फ खरीददार को दिखला देता है । पसन्द आ गयी तो अच्छा है वरना .... "

अथवा

"जिन्दगी मेरे लिए बोझ बन गयी है । कोई रास्ता नहीं चाहे खुशी से हो चाहे मजबूरी से इसे बीताना ही होगा ।"

आ. "बात यह है बहनजी कि सावित्री की बात एक बड़े घर में चल रही है । उन लोगों की एक ही जिद्द है लड़की दसवीं हो तो जाएगी तो शादी करेंगे ।"

अथवा

मम्मी तुम भी कमाल करती है । अपनी जिन्दगी को लेकर भी सपने देखो और मेरी जिन्दगी के सपने भी तुम्हीं देख ड़ालो... कुछ सपने मेरे लिए भी तो छोड़ दो ।।"

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२०)

क. "मानवीय भावनाओं के स्थानपर विशुध्द सुविधाभोगी यथार्थ पर करारा व्यंग्य करने में लेखक संफल हुआ है ।" - इस अवतरण की पुष्टि कीजिए ।

अथवा

"नई पिढ़ी की नई सोच आज प्रत्येक पुरातन संस्कार को ढोने के पक्षधर नहीं है और बदलते युग में उसकी आवश्यकता भी नहीं रहीं ।" इस मत की पुष्टि कीजिए।

ख. मन्नू भंडारी के 'शायद' कहानी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'तीसरा हिस्सा' कहानी के शेरा बाबू का चरित्र चित्रण कीजिए ।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (१०)

च. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के शंकर का चरित्र ।

अथवा

'संस्कार और भावना' एकांकी के 'अतुल' का व्यवितत्व ।

छ. 'शायद' कहानी के राखाल का अस्तित्व ।

अथवा

'त्रिशंकु' कहानी के ममी का मनोविज्ञान ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :- (६)

१. 'क्षय' कहानी के केंद्रीय पात्र का नाम बताइए ।
२. 'बंद दराज़ो का साथ ' कहानी के नायिका का नाम बताइए ।
३. शेरा बाबू ने पत्रिका कब निकाली थी ?
४. रीढ़ की हड्डी किसे नहीं है ?
५. सुरेंन्द्र वर्मा का जन्म कब हुआ ?
६. संस्कार और भावना किस प्रकार की एकांकी है ?